नमूना कृतिपत्रिका–1

दसवीं कक्षा : द्‌वितीय भाषा हिंदी – (संपूर्ण) : लोकभारती

समय : 3 घंटे **कुल अंक** : 100

सूचनाएँ – (1) सूचना के अनुसार गद्‌य, पद्‌य, पूरक पठन, भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।

(3) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्‌ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्‌य : 24 अंक

प्र. 1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

आँख खुली तो मैंने अपने–आपको एक बिस्तर पर पाया । इर्द–गिर्द कुछ परिचित–अपरिचित चेहरे खड़े थे । आँख खुलते ही उनके चेहरों पर उत्सुकता की लहर दौड़ गई । मैंने कराहते हुए पूछा–''मैं कहाँ हूँ ?''

''आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं । आपका ऐक्सिडेंट हो गया था । सिर्फ पैर का फ्रैक्चर हुआ है । अब घबराने की कोई बात नहीं ।'' एक चेहरा इतनी तेजी से जवाब देता है, लगता है मेरे होश आने तक वह इसीलिए रुका रहा । अब मैं अपनी टाँगों की ओर देखता हूँ। मेरी एक टाँग अपनी जगह पर सही–सलामत थी और दूसरी टाँग रेत की थैली के सहारे एक स्टैंड पर लटक रही थी । मेरे दिमाग में एक नये मुहावरे का जन्म हुआ । 'टाँग का टूटना' यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना । सार्वजनिक अस्पताल का खयाल आते ही मैं काँप उठा । अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द होता है, फिर यदि उसके साथ सार्वजनिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया । अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टाँग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना ।

(1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :– 2

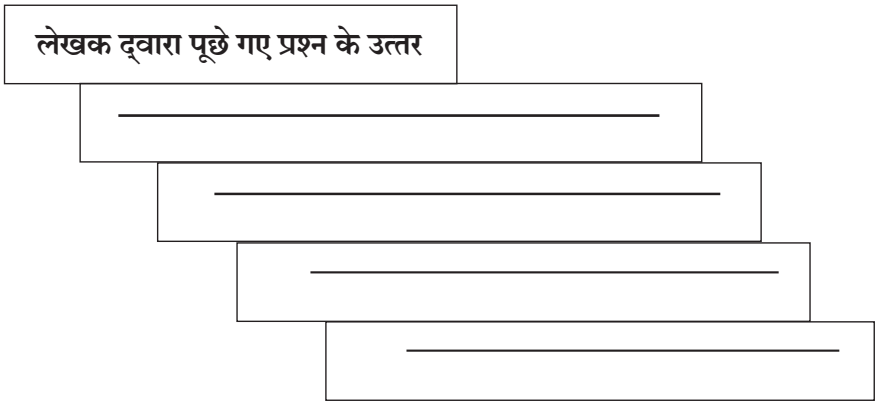

(2) आकृति पूर्ण कीजिए :– 2

(i)

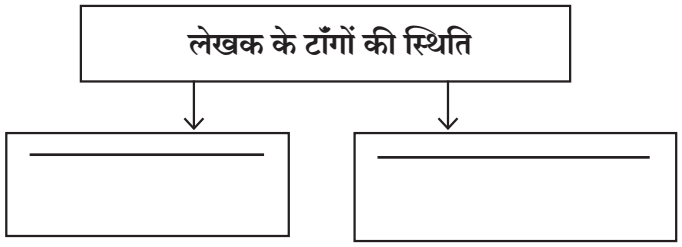

(ii)

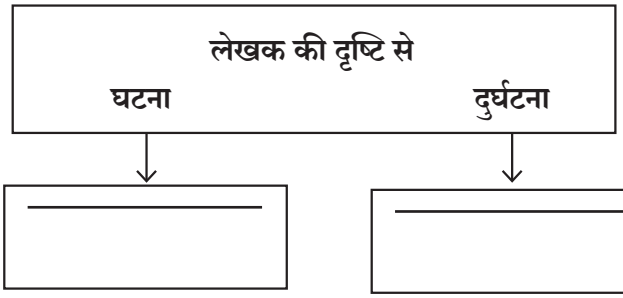

(3) सूचना के अनुसार लिखिए :– 2

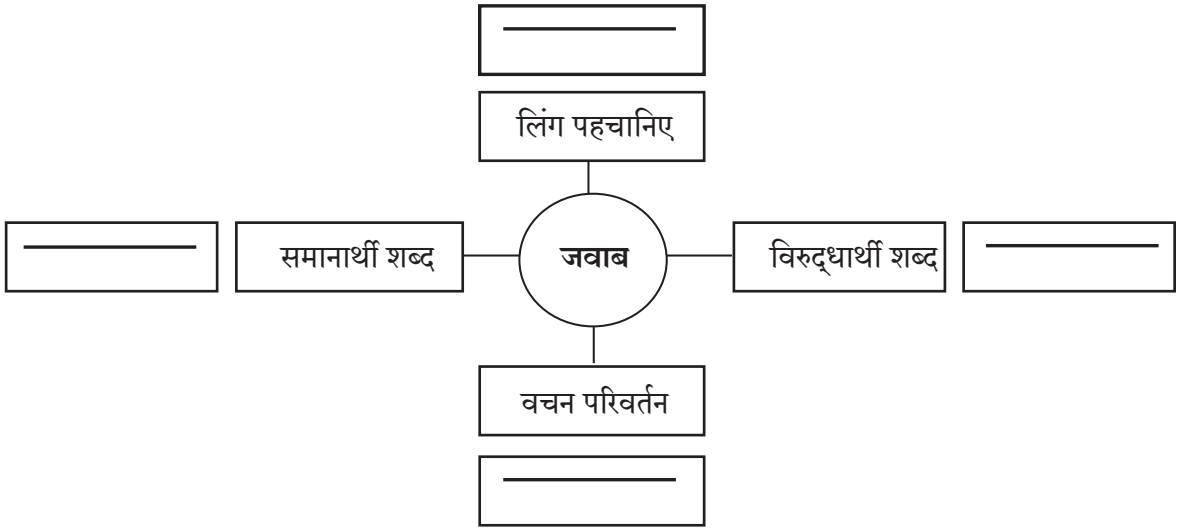

(4) 'सावधानी हटी, दुर्घटना घटी', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

प्रिय सरोज,

तुम्हारा १६ से १८ तक लिखा हुआ पत्र आज अभी मिला । इस महीने में मैंने इन तारीखों को पत्र लिखें – तारीख १,९,१५ और चौथा आज लिख रहा हूँ । अब तुमको हर सप्ताह मैं लिखूँगा ही । तुम्हारी तबीयत कमजोर है तब तक चिरंजीव रैहाना मुझे पत्र लिखेगी तो चलेगा । मुझे हर सप्ताह एक पत्र मिलना ही चाहिए ।

पूज्य बापू जी चाहते हैं तो हिंदू–मुस्लिम एकता के लिए मुझे अपनी सारी शक्ति उर्दू सीखने के पीछे खर्च करनी चाहिए । तुमको मैंने एक संदेश भेजा था कि तुम उर्दू लिखना सीखो । लेकिन अब तो मेरा एक ही संदेश है – पूरा आराम लेकर पूरी तरह ठीक हो जाओ ।

तारों के नक्शे बनाने के लिए कंपास बॉक्स भी मँगाकर रखा है । लेकिन अब तक कुछ हो नहीं पाया है ।

मैंने अपने फूल के गमले अपने पास से निकाल दिए हैं । सादे क्रोटन को ही रहने दिया है ।

सबको काका का सप्रेम शुभाशीष
('काका कालेलकर ग्रंथावली' से)

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :– 2

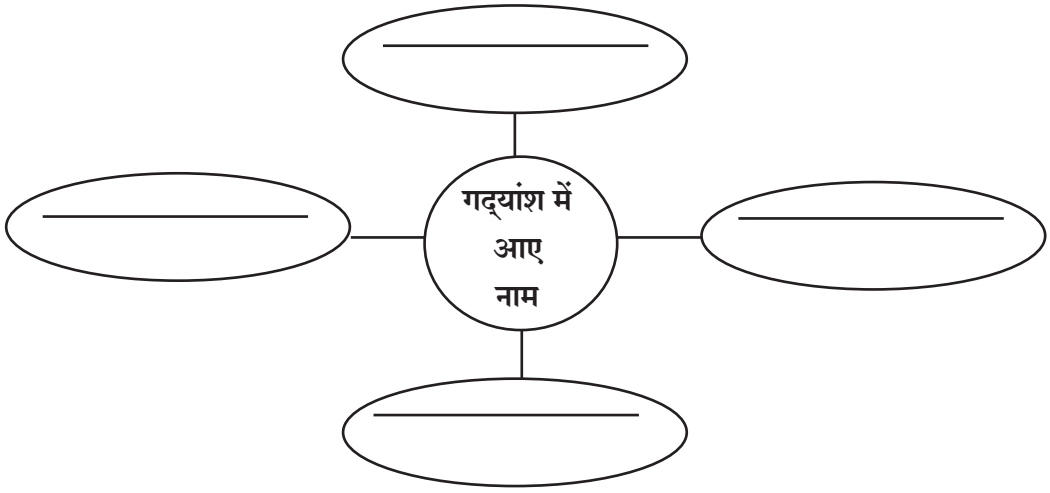

(2) एक/दो शब्दों में उत्तर लिखिए :– 2

(i) काका जी द्वारा सरोज को भेजा हुआ संदेश _____

(ii) तबीयत से कमजोर _____

(iii) तारों के नक्शे बनाने के लिए उपयोगी _____

(iv) काका जी ने इन्हें अपने पास से निकाल दिया _____

(3) (i) गद्यांश में प्रयुक्त दो विदेशी शब्द ढूँढ़कर लिखिए :– 2

_____ , _____

(ii) शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए :–

(I) सात दिनों का समूह – _____

(II) जो दुर्बल है – _____

(4) 'अपने मन के भावों को अपेक्षित व्यक्ति तक पहुँचाने का साधन है– पत्र', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 1 (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

आपके पास मोटर हो या न हो; बनारस के रईसों में आपकी गिनती तभी होगी, जब एक ऐसे एक्के पर कम से कम रामनगर की हवा खा आएँ। यह रईसी, यह शानबान कुछ और ही चीज है। बढ़िया पंप–जूता, किनारेदार धोती, चिकने पोत का कुरता, दुपलिया टोपी लगाए एक ओर साहु जी और दूसरी ओर इस ढंग की पोशाक पहने उनके दोस्त और एक्केवान की बगल में एक सिपाही एक हाथ में लंबा लट्ठ लिए हुए तथा दूसरे हाथ में बूटी का सामान संभाले हुए नजर आते हैं।

काशी में रहने के कारण मुझे एक्के पर सवार होना ही पड़ता है। इसलिए एक्केवान के व्यक्तित्त्व के संबंध में भी कुछ कह देना अच्छा ही होगा। बनारसी एक्केवान एक संस्था है। उसकी बातों में सरसों का तीखापन, मिरचे की तिताई और गरम मसाले की गरमाहट का मजा पाया जाता है। एक बार जरा जोर से बात कीजिए, देखिए क्या आनंद आता है।

(1) कृतियाँ पूर्ण कीजिए :– 2

(i) उत्तर लिखिए :–

एक्केवान की बातों में पाई जाने वाली विशेषताएँ

↓ _____ ↓ _____

(ii) लिखिए :–

सिपाही के हाथों में वस्तुएँ

↓ _____ ↓ _____

(2) चौखट में दिए शब्दों की उचित जोड़ियाँ मिलाकर क्रमश: स्तंभ 'अ' और 'आ' में यथास्थान लिखिए :– 2

बढ़िया,	कुरता,
दुपलिया,	किनारेदार,
धोती,	टोपी,
चिकना पोत,	पंप–जूता

अ	आ
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

(3) (i) गद्यांश में प्रयुक्त ऐसे दो शब्द लिखिए जिनके एकवचन और बहुवचन में परिवर्तन नहीं होता :– 1

(I) _____ (II) _____

(ii) समानार्थी शब्द लिखिए :– 1

(I) हाथ – _____

(II) नजर – _____

(4) 'यातायात के साधनों की बढ़ती संख्या', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 2 – पद्य : 18 अंक

प्र. 2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जाके सिर मोर मुकट, मेरो पति सोई
छाँड़ि दई कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि–बैठि, लोक लाज खोई।
अँसुवन जल सींचि–सींचि प्रेम बेलि बोई।
अब तो बेल फैल गई आणँद फल होई ।।
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से बिलोई।
माखन जब काढ़ि लियो छाछ पिये कोई।।

(1) उचित जोड़ियाँ मिलाइए :– 2

अ	उत्तर	आ
आँसुओं के जल से		छोड़ दी।
कुल की मर्यादा		आनंद फल
प्रेम बेल		लोक लाज खोई।
संत संगति के कारण		प्रेम की बेल सींची।
		प्रेम से बिलोई।

(2) कृतियाँ कीजिए :–

(1)

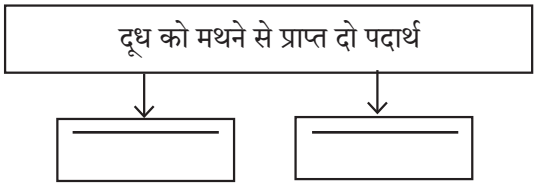

1

(2) लिखिए :– 1

(i) श्रीकृष्ण के सिर पर है .....

(ii) मीरा इन्हें अपना पति मानती हैं .....

(3) उपर्युक्त पद्यांश से क्रमशः किन्हीं दो पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। 2

प्र. 2 (आ) निम्नलिखित कविताओं में से किसी एक का पद्य विश्लेषण निम्न मुद्दों के आधार पर कीजिए :–

कविताएँ :–

(1) भारत महिमा (2) अपनी गंध नहीं बेचूँगा

मुद्दे :–

(i) रचनाकार का नाम – _____ 1

(ii) रचना की विधा – _____ 1

(iii) पसंद की पंक्तियाँ – _____ 1

(iv) पंक्तियाँ पसंद होने का कारण – _____ 1

(v) रचना से प्राप्त संदेश – _____ 2

प्र. 2 (इ) निम्नलिखित अपठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

कागज की नाव को प्रवाह की दिशा के विरुद्ध
चलाने का बहुत प्रयास किया, चला न सका,
मेरे बचपन! तुझे वापस बुलाने का बहुत प्रयास किया, बुला न सका.....
कभी बालू के ढेर में घर बनाए, कभी लोगों की नजरें बचाकर
एक लकड़ी की मदद से सायकल के पुराने टायर भगाए.....
कभी कंचों से निशाने लगाए, कभी-कभार छिपते-छिपाते
गिट्टे भी खेले, लँगड़ी भी मारी, कभी डरते-डराते पिट्ठू फोड़े
गुड्डे-गुड़िया की शादी रचाई

(1) आकृति में लिखिए :– 2

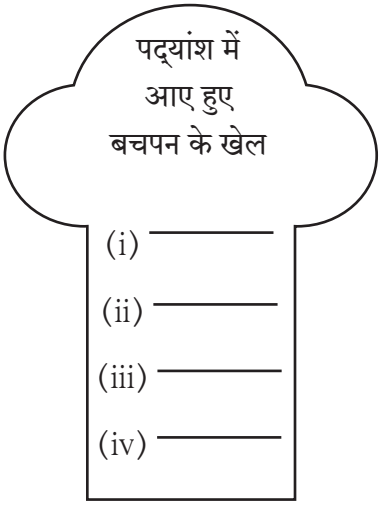

(2) उत्तर लिखिए :– 2

(i) कवि ने इसे प्रवाह की दिशा के विरुद्ध चलाने का प्रयास किया _____

(ii) कवि ने इसे वापस बुलाने का प्रयास किया _____

(iii) कवि ने इसे बालू के ढेर में बनाया _____

(iv) इसकी मदद से साइकल के पुराने टायर भगाए _____

(3) प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए। 2

विभाग 3– पूरक पठन : 8 अंक

प्र. 3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

उनके पतिदेव को स्वर्ग सिधारे कालांतर हो चुका था । बेटे तरुण हो–होकर चल बसे थे । अब एक भतीजे के सिवाय और कोई न था । उसी भतीजे के नाम उन्होंने अपनी सारी संपत्ति लिख दी । लिखाते समय भतीजे ने खूब लंबे–चौड़े वादे किए किंतु वे सब वादे केवल कुली डिपो के दलालों के दिखाए हुए सब्ज बाग थे । यद्यपि उस संपत्ति की वार्षिक आय डेढ़–दो सौ रुपये से कम न थी तथापि बूढ़ी काकी को पेट भर भोजन भी कठिनाई से मिलता था । इसमें उनके भतीजे पंडित बुद्धिराम का अपराध था अथवा उनकी अर्द्धांगिनी श्रीमती रूपा का, इसका निर्णय करना सहज नहीं । बुद्धिराम स्वभाव के सज्जन थे किंतु उसी समय तक जबकि उनके कोष पर कोई आँच न आए । रूपा स्वभाव से तीव्र थी सही, पर ईश्वर से डरती थी । अतएव बूढ़ी काकी को उसकी तीव्रता उतनी न खलती थी जितनी बुद्धिराम की भलमनसाहत ।

(1) आकृति में दिए गए रिक्त स्थानों में उत्तर लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए :– 2

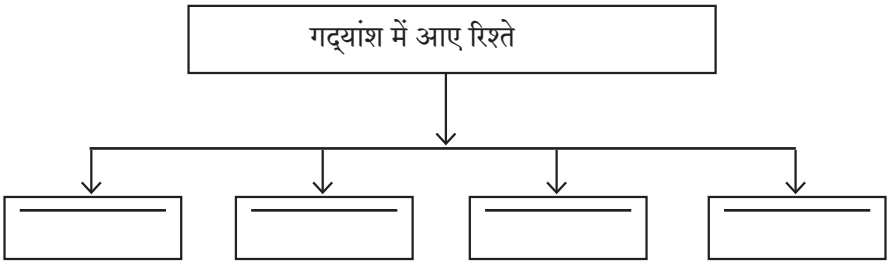

(2) 'स्वार्थ रिश्तों के बीच दीवार बनता है', इसपर अपने विचार लिखिए। 2

प्र. 3 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

करते जाओ
पाने की मत सोचो
जीवन सारा।

भीतरी कुंठा
आँखों के द्वार से
आई बाहर।

खारे जल से
धुल गए विषाद
मन पावन।

(1) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :– 2

(i) खारे जल से ---------- धुल गए।
(विषाद / विशाद / विश्वाद)

(ii) भीतरी कुंठा आँखों के ---------- से बाहर आई।
(दवार / द्वार / दवर)

(iii) पूरे जीवन भर हमें कार्य ---------- जाना है।
(मरते / भरते / करते)

(iv) विषादों के धुलने से ---------- पावन हो गए हैं।
(तन / मन / धन)

(2) किसी एक हाइकू का सरल अर्थ लिखिए। 2

विभाग 4– भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 18 अंक

प्र. 4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :–

(1) (i) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :– 1

अब आप ठीक हो जाएँगे।

(ii) निम्नलिखित शब्द का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए :– 1

परिश्रम

(2) (i) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढ़कर उसका भेद लिखिए :– 1

लक्ष्मी के गले से बँधी हुई रस्सी खूँटे से खोली और उसे गली से बाहर ले जाने लगा।

(ii) निम्नलिखित अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :– 1

अरे रे!

(3) (i) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए :– 2

(i) वे बाजार से नई पुस्तकें खरीदते हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(ii) जूलिया रो रही है। (सामान्य भूतकाल)

(4) तालिका पूर्ण कीजिए :– 2

संधि	संधि विच्छेद	संधि भेद
————	दु: + दिन	————
अधिकांश	———— + ————	————

(5) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :– 1

यही जीवन का सत्य भी है।

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :– 1

तुम्हें अपना काम खुद करना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)

(6) (i) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :– 1

फूट–फूटकर रोना

(ii) अधोरेखांकित वाक्यांशों के लिए कोष्ठक में प्रयुक्त उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :– 1

(मुँह लटकाना, मुँह लाल होना)

माँ की डाँट खाकर अनीश उदास हो गया।

(7) वाक्य शुद्ध करके पुन: लिखिए :– 2

(i) हम लोक वापस आते है अभी।

(ii) इस बार नयी धोति दुँगी।

(8) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए :– 1

(i) इसके बाद हम लोग दिन भर पणजी शहर देखते रहे।

(ii) उन्होंने फिर मौन धारण कर लिया।

(9) क्रिया के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए :– 1

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
छोड़ना	————	छुड़वाना
लौटना	लौटाना	————

(10) वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :– 1

जी हाँ मैं कॉलेज में पढ़ी हूँ

(11) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :– 1

मैं ड्राइवर को बुला लाया।

विभाग 5 – उपयोजित लेखन : 32 अंक

प्र. 5 अ (1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :– 5

शकील / शकीला खान, 10, आशियाना, टिळक नगर, लातूर से अपने मामा सलीम पठान, 3/37, मीरा मंजिल, क्रांति चौक, औरंगाबाद को पत्र लिखकर उनके द्वारा दी गई सूचनाओं के अनुसार पढ़ाई जारी रखने के संदर्भ में पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

अमित / अमिता पाटील, तेजस सोसाइटी, आंबेडकर रोड, अमरावती से अपनी सोसाइटी के अध्यक्ष को पत्र लिखकर गाड़ियाँ धोने के लिए टंकी के जिस जल का उपयोग किया जा रहा है, उस जल का पुन:उपयोग करने हेतु निवेदन करता / करती है।

(2) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक–एक वाक्य में उत्तरवाले पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :– 5

चारों तरफ कुहरा छाया हुआ है। सुबह के नौ बज चुके हैं, लेकिन पूरी दिल्ली धुंध में लिपटी हुई है। सड़कें नम हैं। पेड़ भीगे हुए हैं। कुछ भी साफ नहीं दिखाई देता। जिंदगी की हलचल का पता आवाजों से लग रहा है। ये आवाजें कानों में बस गई हैं। घर के हर हिस्से से आवाजें आ रही हैं। वासवानी के नौकर ने रोज की तरह स्टोव जला लिया है, उसकी सनसनाहट दीवार के उस पार से आ रही है। बगलवाले कमरे में अतुल मवानी जूते पर पॉलिश कर रहा है। ऊपर सरदार जी मूँछों पर फिक्सो लगा रहे हैं। उनकी खिड़की के परदे के पार जलता हुआ बल्ब बड़े मोती की तरह चमक रहा है। सब दरवाजे बंद हैं, सब खिड़कियों पर परदे हैं लेकिन हर हिस्से में जिंदगी की खनक है। तिमंजिले पर वासवानी ने बाथरूम का दरवाजा बंद किया है और पाइप खोल दिया है।

प्र. 5 (आ) (1) आदर्श विद्यालय, महात्मा गांधी रोड, सोलापुर में मनाए गए 'गणतंत्र दिवस' समारोह का 60 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए। 5
(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है।)

(2) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर जलगाँव में स्थित समता विद्यालय में आयोजित नाट्याभिनय शिविर का लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए :– 5

स्थान	संपर्क	तज्ञ मार्गदर्शक
समय	उपलब्धियाँ	

(3) निम्नलिखित शब्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए और उचित शीर्षक दीजिए :– 5
लड़की, बंदर, मगरमच्छ, पेड़

प्र. 5 (इ) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :– 7

(1) ऐतिहासिक गढ़ की मेरी सैर

(2) मैं सैनिक बोल रहा हूँ.....

****